an>

Ttile: Need to set up a special Mission and Centre for Excellence for cultivation of Walnut in Himalayan Region.

डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक (हरिद्वार): अपनी विशिष्ट भौगोलिकता के दृष्टिगत हिमालय का क्षेत्र सामरिक रूप से महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील है। यह क्षेत्र जहां औद्योगिक पिछड़ेपन का शिकार है, वहीं यहां पर बड़े पैमाने पर पलायन की समस्या व्याप्त है। अनियंत्रित पलायन से जहां एक ओर हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा है, वहीं दूसरी ओर हमारी संस्कृति के संरक्षण और संवर्द्धन के प्रयासों को अप्रत्याशित क्षति हो रही है। ऐसे में हिमालय क्षेत्र के राज्यों में कृषि, बागवानी के क्षेत्र में विशेष मिशन प्रारंभ किए जाने की आवश्यकता है। इन पर्वतीय क्षेत्रों में बागवानी की असीम संभावनाएं हैं। दुर्भाग्य से संसाधनों के अभाव में उन्नत तौर-तरीकों की कमी के चलते और प्रौद्योगिकी के नितान्त अभाव के कारण इन क्षेत्रों में बागवानी उत्पादन बहुत कम है। अखरोट अपनी न्यूट्रीशन की गुणवत्ता के लिए जाना जाता है। ओमेगा फैटी एसिड का बेहतरीन स्रोत होने के साथ-साथ यह कालेस्ट्रॉल विशेषकर बैड कोलेस्ट्रॉल को समाप्त करती है। यह खून में शूगर के स्तर को लंबे समय तक स्थिर रखता है। हिमालय राज्यों की जलवायु के अनुरूप एवं यहां की मृदा परीक्षण रिपोर्ट के दृष्टिगत यहां पर अखरोट के उत्पादन हेतु राष्ट्रीय मिशन स्थापित करने की नितान्त आवश्यकता है।

अतः मेरा माननीय कृषि मंत्री जी से अनुरोध है कि हिमालय क्षेत्र की आर्थिकी में सुधार लाने हेतु हिमालय क्षेत्र में अखरोट की खेती को बढ़ावा देने के लिए एक विशेष मिशन की स्थापना शीघ्र की जाए। इन सभी गतिविधियों को केन्द्रित करने हेतु वहां पर सेन्टर ऑफ ऐक्सीलेंस की स्थापना की जाए। पूरे पर्वतीय क्षेत्र में कलमी उच्च किस्म के पौधों के वितरण, उत्पादन, क्षेत्रफल विस्तार हेतु नर्सरी की स्थापना, विभिन्न पहलुओं पर किसानों को प्रशिक्षण देने के लिए सहायता, संगठित बाजार हेतु उपयुक्त प्रणाली का विकास, निर्यात क्षमता का विकास और अनुसंधान और विकास को बढ़ावा दिया जाना अति आवश्यक है।